

ओ३म



ARYA SAMAJ (VEDIC MISSION) WEST MIDLANDS

321 Rookery Road, Handsworth
Birmingham B21 9PR
Tel : 0121 359 7727
enquiries@arya-samaj.org
www.arya-samaj.org
Charity Registration Number : 1156785



What is Arya Samaj?

Arya Samaj founded by Maharishi Dayanand Saraswati is an institution based on the teachings of Vedas for the welfare of universe.

It propagates the universal doctrines of humanity.

It is neither a religion nor a sect.

ARYAN VOICE

YEAR 43

01/2021-22

MONTHLY

January 2021

Happy New Year 2021

Dear Members and Friends

Due to the prevailing condition in the UK related to Corona Virus Pandemic we will keep you updated on events running at our Arya Samaj West Midlands via our communication channels.

Wednesday Sanskrit Learning via zoom – 8pm - 9pm
(Please see page 21 & 22 for more details)

Thursday Yoga Class via Zoom – 7pm – 8pm
(Please see page 21 & 22 for more details)

SUNDAY CONGREGATION (SATSANG)
11am 12.00pm - (Please see page 21 & 22 for more details)

321 Rookery Road, Handsworth, Birmingham, B21 9PR.
Tel - 0121 359 7727

E-mail – enquiries@arya-samaj.org Website - www.arya-samaj.org

Charity registration number 1156785

facebook <https://www.facebook.com/aryasamajwestmidlands/>

CONTENTS

10 Principles of Arya Samaj	3
Every Success is with the Grace of God	4
वैदिक वास्तुशास्त्र - आचार्य डॉ. उमेश यादव	6
Children's Corner - The Monkey and the Crocodile	10
Census 2021	12
Matrimonial Service information	14
News (पारिवारिक समाचार)	15
Emergency Funding for Tower	17
Members who pay donations by standing order	18
Covid-19 Donation Page	19
Arya Samaj Book for Sales 2021	20
Services provided	21
Happy New Year	23

**For General and Matrimonial Enquiries Please Ring
Miss Raji (Rajashree) Chauhan (Office Manager)
Monday to Friday between: - 2.30pm to 6.30pm,
Wednesday: - 11.00am to 1.00pm.
Bank Holidays – Closed - Tel. 0121 359 7727
E-mail- enquiries@arya-samaj.org**

10 Principles of Arya Samaj

- 1. God is the primary source of all true knowledge and all that is known by its means.(At the beginning of creation, nearly 2 Billion years ago, God gave the knowledge of 4 Vedas to four learned Rishis named Agni, Vayu, Aditya and Angira. Four Vedas called Rig Ved, Yajur Ved, Sam Ved and Atharva Ved contain all true knowledge, spiritual and scientific, known to the world.)**
- 2. God is existent, intelligent and blissful. He is formless, omnipotent, just, merciful, unborn, infinite, invariable (unchangeable), having no beginning, matchless (unparalleled), the support of all, the master of all, omnipresent, omniscient, ever young (imperishable), immortal, fearless, eternal, holy and creator of universe. To him alone worship is due.**
- 3. Vedas are the scripture of all true knowledge. It is paramount duty of all Aryan to read them, teach and recite them to others.**
- 4. All human beings should always be ready to accept the truth and give up untruth.**
- 5. All our actions should be according to the principles of Dharma i.e. after differentiating right from wrong.**
- 6. The primary aim of Arya Samaj is to do good to the human beings of whole world i.e. to its physical, spiritual and social welfare.**
- 7. All human beings ought to be treated with love, justice and according to their merits as dictated by Dharma.**
- 8. We should all promote knowledge (Vidya) and dispel ignorance (Avidya).**
- 9. One should not be content with one's own welfare alone but should look for one's welfare in the welfare of all others.**
- 10. In matters which affect the well being of all people an individual should subordinate any personal rights that are in conflict with the wishes of the majority. In matters that affect him/her alone he/she is free to exercise his/her human rights**

Every Success is with the Grace of God

यस्मादृते न सिध्यति यज्ञो विपश्चितश्चन । स धीनां योगमिन्वति ।
ऋग्वेद-१.१८.७

**Yasmaadrite na sidhyati yajno vipashchitshchana I Sa
dhinaam yogaminvati II**

Rig Veda 1.18.7

Meaning in Text Order

Yasmaat = whose (God)

Rite = without

Na = not

Sidhyati = success

Yajnah = noble deeds

Vipashchitah = intellectuals

SA = God

Dhinaam = intellects

Yogam = the association of intellect and action

Invati = knows

Meaning

Intellectuals see the hand of God in every successful act. Intellectuals do not sing their own glory for success; instead they dedicate all their successes to God.

Contemplation

When a person achieves success in life then he feels great pride in his intellect. In the mind of those people comes one thing; that their success is due to their cleverness and intellect. They are so intoxicated with this notion that they think nothing is impossible to achieve for their intellect. But they do not know that most of the time that they achieve this success it is due to the association of our intellect to God. The secret behind our success is the association of our intellect with God. Sometimes we achieve success spontaneously and we feel proud of our success and we give credit to our intellect. This type of pride is false. It is a mere self-deception.

If a person would like to see success in his actions then he should make an effort to associate his intellect with God. Whether our intellect is associated with God or not it is not possible for us to know, but we can try our best to associate our intellect with God. God is truth and we should ensure that our intellect is in accordance with justice and truth. It should be our honest effort that whatever truth and justice is in our knowledge, our intellect should not go against that. When God is associated with that task then we attain success.

We should make efforts to engage our intellect with God leaving behind the pride of our intellect. However, if our intellect is clever then we should associate our intellect with God. No act can be successful without the grace of God.

वैदिक वास्तुशास्त्र

आचार्य डॉ. उमेश यादव

वास्तु शास्त्र एक महत्त्वपूर्ण विषय है जो भवन आदि निर्माण कला को स्पष्ट करता है। यह अपने आप में पूर्ण टेक्नोलोजिकल आर्किटेक्चर है। इसमें निर्माणात्मक सब प्रकार के कलात्मक विज्ञान का बोध होता है। अज्ञानतावश लोग वास्तु शास्त्र को पूजा-पाठ से जोड़ देते हैं और चाहे किसी भी तरह का भवन निर्माण हुआ है, बस पूजा करा लो और सब दोष दूर हो जायेंगे, ऐसा भ्रामक अन्ध विश्वास आम जनता में बैठा हुआ है। कर्मकांडी पुजारी लोग भी ऐसा ही थोथी बातें कहकर यजमान को ठगते रहते हैं।

हम विचार करें कि वेदों में वास्तु शास्त्र को किस तरह बताया गया। सर्वविद्या का मूल तो वेद ही मान्य है। वेदों की शिक्षा सत्य, शिव और सुन्दर है; मानव-जीवन के कल्याण मात्र के लिये है।

भवन निर्माण की बात करें तो वेदों में इसका विस्तार रूप प्राप्त है। वसति जहाँ लोग वसते हैं अर्थात् घर, गाँव, शहर आदि सब का निर्माण विधिवत् वैज्ञानिक तकनीकी के साथ करने का आदेश है। दुर्ग=किला/महल आदि, पुर=नगर आदि, मार्ग=सड़क आदि, पुल-नाले और इनसे सम्बन्धित सारे साधनों के निर्माण कला वास्तु शास्त्र का विषय है। निर्माण-स्थल का क्षेत्रफल के हिसाब से दिवारें, स्तंभ=खंभे, द्वार, खिड़कियाँ, झरोखें बनाने का गणित समझना वास्तुशास्त्र का महत्त्वपूर्ण हिस्सा है। लोहा, काष्ठ=लकड़ी, पत्थर आदि का माप, इनकी कटाई-छँटाई, मात्रा आदि सब इसका मुख्य ज्ञान है।

वेदों में तीन, पाँच, दस और इनसे भी कई गुणा अधिक मंजिलों की निर्माण कला निर्देशित है । एक साथ कई धातुओं का निर्माणात्मक प्रयोग की कला से कई-कई मंजिलें कैसे बनायीं जायें, इनका विस्तार वर्णन वेद व वैदिक साहित्यों में उपलब्ध है । बड़ी-बड़ी और ऊँची-ऊँची अट्टालिकार्यें तो बन जाती हैं पर यह प्रयोजन की दृष्टि से कैसा हो, इसके लिये वेद वाक्य उपस्थित हैं-

“यद्भद्रं यदनातुरम् । त्रिधातु त्रिवरुथ्यम्” । ऋग्वेद- ८.४७.५ अर्थात्

अर्थात् तीन धातु और इससे भी अधिक साधनों से तीन मंजिले और अधिक भी ऐसा भवन हो जो कल्याण कारी सुखकारी और रोगाणुओं से रहित हो । पूरी हवा आदि के रुख के हिसाब से सुरक्षित हो । हवा और प्रकाश की दिशाओं का खयाल करके जब भवन बनता है तो वह रोगाणुरहित हो उसमें रहने वालों के लिये वह निवास सुखकारी होता है ।

विशाल भवन की नींव कैसी हो? राजद्वार, सभागृह तथा बहुस्तंभ के महल बनाने का उल्लेख यहाँ स्पष्ट है- राजानौ--ध्रुवे सदस्युत्तमे । सहस्र स्थूण आसते । ऋ. २.४१.५- राजगृह वा सभासद्-हजार हजारों खंभे हो सकते हैं । मजबूती का खयाल आवश्यक है ।

ब्रह्मन्तं मानं बरुण स्वधावः सहस्रद्वारं जगमा गृहं ते । ऋ. ७.८८.५- यहाँ भी हजार द्वार वाले महल की बात है ।

पुरः कृणुध्वं आयसीरधृष्टाः- अथर्ववेद-१९.५८.४- यहाँ लोहे के दुर्ग वा विशाल भवन निर्माण की बात कही ।

आरामदेह आवास का चित्रण-

आयने ते परायणे दूर्वा रोहतु पुष्पिणीः ।

मध्ये हृदस्य नो गृहाः पराचीना मुखा कृधि ।

हिमस्य त्वा जरायुणा शाले परिव्यायामसि ।

शीतहृदा हि नो भुवोऽग्निष्कृणोतु भेषजम् । अथर्वेद-६.१०६-१से३ (मंत्र)

इस मंत्र में क्या ही सुखकारी भवन का वर्णन है- वातानुकूलित हो । बर्फ की पतली परत भवन के चारों ओर लगायी जाये । बड़े तालाब के बीच सुन्दर भवन बनाया जाये । बाहर सुन्दर घास का मैदान हो या एक तालाब की व्यवस्था हो जिसमें कमल खिले । घर के द्वार आमने सामने हों ऐसे घर में ठंड से बचने के लिये अग्नि की भी व्यवस्था हो । यजुर्वेद १७.५ और १७.७ में भी ऐसा ही लगभग ऐसा ही सुखदायी घर बनाने का उल्लेख है । इसी तरह ऋग्वेद १०.१४२.८ में भी वातानुकूलित घर, घास का मैदानयुक्त बाग वगीचों से युक्त नाना प्रकार के खिलने वाले पुष्पों से युक्त, मध्य में जलाशय तथा समुद्र के किनारे सुन्दर भवन निर्माण का अत्यन्त रोचक वर्णन है- "समुद्रस्य गृहा इमे"-इति।

इस तरह हम देखते हैं कि वेद हमें एक सम्पन्न जीवन जीने का उपदेश देता है । इसके लिये हमें सुशिक्षित, कलाविज्ञानविज्ञ एवं पुरुषार्थी होने की प्रेरणा हमें वेदों से मिलती है ।

मजबूत भवन आदि के निर्माण में करोड़ों वर्ष तक रहने वाले वज्रलेप (सिमेंट) बनाने की भी इसमें मिलने वाली वस्तुओं का मिश्रण-अनुपात भी बताया गया है ।

स्वस्थकारी घर के लिये गौशाला, यज्ञशाला, पाकशाला आदि का समुचित

व्यवस्था हो, इसका भी निर्देश प्राप्त है । पूर्व, पश्चिम और उत्तर से मुख्य द्वार हो ताकि हवा और प्रकाश उचित मात्रा में आये ।

जरा विचार करें कि अगर उचित ढंग से घर न बना हो तो जैसे-तैसे घर बनने के बाद वास्तु शास्त्र की पूजा क्या सुख देगी ? हमें घर बनाने से पहले ही इसका समुचित ध्यान करना होगा । इस विषय में हमें बहुत कुछ और जानना होगा ।

यहाँ स्वरचित एक कविता प्रस्तुत करता हूँ, इस सन्दर्भ में पाठकवृन्द का मन प्रसन्न होगा-

भवन का निर्माण हो, सुखों का विस्तार हो ।
वच्यों का हो वाग-वगीचा, पति-पत्नी का प्यार हो ॥
भवन बनाने से पहले, पक्का बनाओ उसका नक्शा,
खिड़की दरवाजों का, आँगण बहारों का ।
चारों ओर हरियाली हो और पानी का सुतार हो,
वच्यों का हो वाग-वगीचा, पति-पत्नी का प्यार हो ॥

मानपति अभियन्ता है, गृहपति घर का मालिक,
गृहदेवी का मनभावन, पाकशाला बने सुन्दर ।
अतिथिशाला, स्वाध्यायकक्ष, रतिकक्ष विस्तार हो,
वच्यों का हो वाग-वगीचा, पति-पत्नी का प्यार हो ॥

शिलान्यास रखना पक्का, नीव पक्की दान हो,
तालाब चिन्तन बुरा नहीं है, नहाने का इन्तजाम हो ।
यज्ञशाला सुखाश्रय है, उमेश कहे विस्तार हो,
वच्यों का हो वाग-वगीचा, पति-पत्नी का प्यार हो ।

Children's Corner Panchatantra Stories

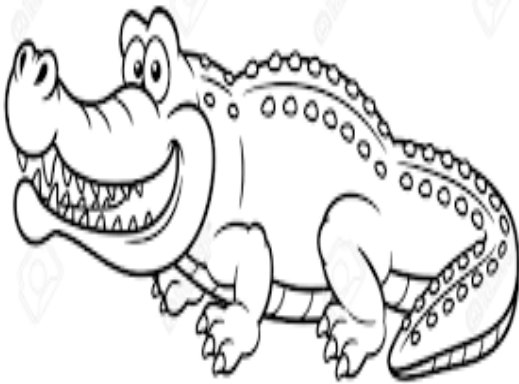
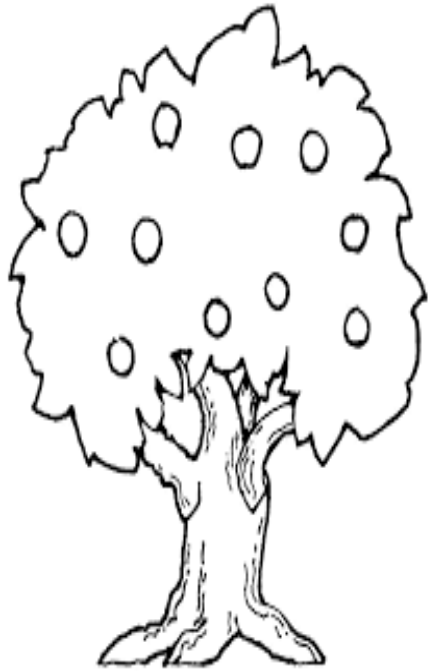
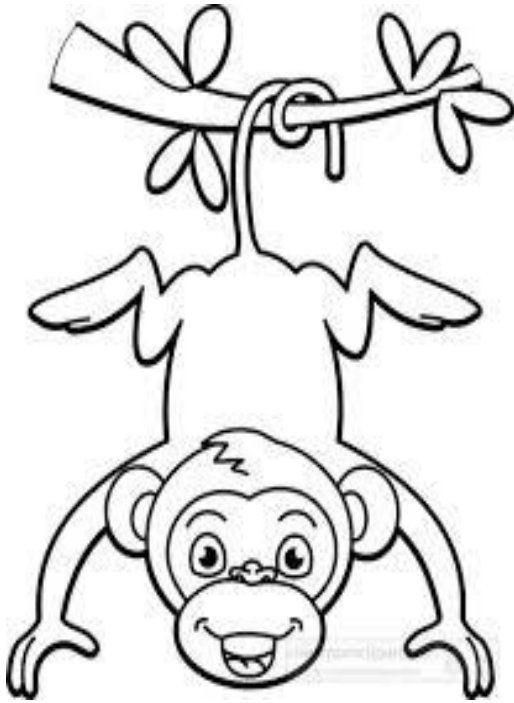
The Monkey and the Crocodile

Once upon a time, in a forest, there lived a monkey who resided on a Jamoon (berry) tree which was on the banks of a river. In the same forest, there lived a crocodile and his wife. One day the crocodile came to the banks of the river and rested under the tree. The kind hearted monkey offered him some fruits. The crocodile came back the next day for more fruits as he loved them. As days passed by, the crocodile and the monkey became friends.

One day the monkey sent some fruits for the crocodile's wife. She ate the fruits and liked them but was jealous as she didn't like her husband spending time with the monkey. She told her husband "If the fruits are so juicy I wonder how sweet the monkey's heart would be. Get me the heart of the monkey." The crocodile was not willing to kill his friend but had no choice.

He invited the monkey to his house for dinner saying that his wife would like to meet him. The monkey was happy but could not swim, so the crocodile took him on his back. The crocodile was happy that he had tricked the monkey, however, while talking, he blurted out the real reason for taking the monkey home. The clever monkey said "You should have told me earlier, I left my heart on the tree. We must go back and get it." The crocodile believed him and took him back to the tree. Thus, the clever monkey saved his life.

Moral of the Story: Choose your company wisely and always have presence of mind.



Census 2021

Helping everyone take part in Census 2021.

The census is happening in March 2021. By taking part and encouraging others to do the same, you'll help make sure you and your community get the services you need.

What is the census?

The census is a survey that happens every 10 years and gives us a picture of all the people and households in England and Wales.

Local councils, charities and many other organisations use census information to decide how to spend billions of pounds on services every year.

This includes spending on transport, education and healthcare. To make sure this money is spent where it's most needed, it's important that the census counts everyone.

Your support matters

We understand that building good relationships with communities means more people will want to take part in the census.

We also understand that no one knows your community better than you. Support from trusted local leaders and community representatives will be vital in helping people take part.

Building community links

We need your help to reach the widest possible audience for Census 2021.

Our local community engagement staff will be on hand throughout the census with resources, advice and practical support that helps everyone to take part.

Knowledge

You have a unique understanding of your community's interests and the challenges it faces. This knowledge allows us to plan support that help everyone take part.

Awareness

Your community links can help us spread the word about what the census is and why it matters to everyone. This will build trust in the census and increase support.

Access

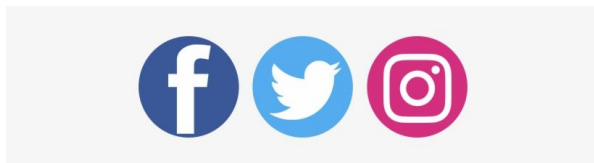
Your networks can help us reach people in your community who need support to take part. This will make sure they're included.

Find out more

Find out more about working together to support your community.

Read more about the census at www.census.gov.uk

Follow the census @Census2021



Subhash Rathod

Census Community Advisor working with the Indian Community, covering the Birmingham Area, on behalf of the Office for National Statistics. - subhash.rathod67@field.census.gov.uk

Matrimonial Service

Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands is dedicated to its matrimonial members to provide a service that will help members find a partner for marriage within our community. We feel it is time to make a few changes to help with this process and move forward with the times.

Changes we have made in 2018:

Website:-

- A new data base on the website that will give members an option to add a **photo** if they wish and a space for members to write a **bio** about themselves and what they are looking for in a partner.
- Existing members would have received a letter with information about what we need from you to update your profile. Once you have received this letter please fill it out and send back to us soon as possible, so we can update our **NEW** data base and you can start using the new system.

Matrimonial Service:-

- Members will now be given the **option** to directly contact each other or have the **option** for parents to contact each other.
- All **new** members will be contacted by the office staff for phone conversation during the application process.
- We are also looking in to ways of making our Matrimonial events more successful.
- **Now on facebook -**
<https://www.facebook.com/aryasamajwestmidlands/>

News

Please note

Car Parking for members on Sunday Congregation can safely park their cars on Rookery Road where there is SINGLE YELLOW LINE.

Condolence:

- Mrs Rukmani Agarwal wife of Dr Murlidhar Agarwal and family for the loss of her beloved mother Mrs Vidya Wati (84) on 17th September 2020 in Delhi. We Pray to Almighty God to grant her soul eternal peace and give strength to family members & relatives to bear her loss.
- Mr Vinod Sharma and family for the loss of his beloved mother Mrs Kamla Sharma wife of Mr Mangatrai Sharma on 8th October 2020 in Canada. We Pray to Almighty God to grant her soul eternal peace and give strength to family members & relatives to bear her loss
- Mrs Nala Dosoar and family for the loss of her beloved son Mr Rakesh Dosoar (48). We Pray to Almighty God to grant his soul eternal peace and give strength to family members & relatives to bear her loss

Congratulations:

- Mr Alok Yadav and Dr Megha Yadav – Havan for Diwali in their new home. Wishing them happiness and good health.

Sponsors (Yajman):

- Mrs Minu Brij Agarwal and family – Havan on 1st November 2020 in memory of her beloved husband Mr Brij Bhusan Agarwal.

Donations:

- | | |
|-------------------------|------|
| • Dr M D Agarwal | £200 |
| • Mrs Minu Brij Agarwal | £125 |
| • Mr Swaraj Kumar | £51 |
| • Mr Udayan Agarwal | £40 |
| • Mr R D Arora | £21 |
| • Mrs Surabhi Tuli | £20 |

Donations to Arya Samaj West Midland through the Priest-Services:

- | | |
|-------------------|--------|
| • Mrs Nala Dosoar | £100 |
| • Mr Vinod Sharma | £62.81 |
| • Mr Alok Yadav | £51 |
| • Mrs Kamla Shinh | £11 |

Thank you for all your
Donations!

EMERGENCY FUNDING FOR TOWER

Name	Amount
Dr Narendra & Mrs Shama Kumar	£2000
Mr Joginder Pal and Mrs Santosh Sethi	£1100
Dr Umesh Kathuria & Dr Subash Kathuria	£1001
Dr & Mrs Shail Agarwal	£1000
Mrs S Bhandari	£1000
Mr Ved Parkash Rawal	£1000
Dr Vijay and Mrs Archna Bathla	£1000
Dr Narendra Patel	£501
Mrs Rama Joshi	£500
Dr Anil and Mrs Urvind Kohli	£500
Mr Swaraj and Vijay Kumar	301
Anonymous	£201
Dr Satya Vrat Sharma	£200
Mr Vinod Gulati	£200
Mrs Suraksh Soni	£125
Dr Smita Mehra	£101
Dr Chetan Varma	£101
Mr Krishan Khurana	£101
Ms Anita Rastogi	£101
Mr Raj Joye	£101
Mr Ashok Panday	£101
Mr Parimal Somani	£101
Mrs Nirmal Prinja	£100

Members who pay donations by standing order

Name	Amount	Payment
Dr Saroj Adlakha	£1000	One off
Mrs Kanti Bajaj and Family	£250	Yearly
Dr Narendra & Mrs Shama Kumar	£81	Yearly
Anonymous	£100	Yearly
Mr Surinder Julka	£101	One off
Mr Pramon Puttyah	£50	One off
Mr Ved Prakash Rawal	£50	One off
Dr Satyavrat Sharma	£40	One off
Dr Chetan Varma	£30	Monthly
Dr & Mrs Kiran Selvaratnam	£25	Monthly
Dr Narendra & Mrs Shama Kumar	£20	Monthly
Mrs Nirmal Prinja	£15	Monthly
Dr Umesh Kathuria & Dr Subash Kathuria	£15	Monthly
Miss Anurag Agarwal	£12	Monthly
Dr P.D. Gupta	£51	6 Months
Mr Ravinder Renukunta	£10	Monthly
Mrs Sushma Grover	£10	Monthly
Dr Bijay Kumar Singh	£10	Monthly
Dr Ved Budhraj	£10	Monthly
Mr Medharthee Rathore Arya	£10	Monthly
Dr M D Agarwal	£10	Monthly
Mr Anand Vrat & Mrs Renuka Chandan	£10	Monthly
Mr Rajive Bali	£10	Monthly
Mr P Puttyah	£10	Monthly
Mr Joginder Pal Sethi	£10	Monthly
Mr Ram Sarup Kohli	£10	Monthly
Mr Krishan Chand Talwar	£10	Monthly
Mr Swaraj Kumar & Mrs Vijay Luxmi	£8.50	Monthly
Mr Vipul Mistry	£5.25	Monthly

COVID-19 DONATIONS PAGE

Dear Members and friends,

Please donate to Arya Samaj West Midlands. No matter how small every donation will be highly appreciated.

You can donate –

1. Montly by Standing order

(Please request form from office)

2. By Cash or Cheque

Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands
321 Rookery Road
Handsworth
Birmingham
B21 9PR

3. Transfer

The Co-operative Bank

Name of account of - Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands
Account number- 65839135,
Sort Code- 08.92.99.

The money donated by you will help our present and future generations.





ARYA SAMAJ BOOKS FOR SALE 2020

You can purchase the following books from Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands, 321 Rookery Road, Handsworth, Birmingham, B21 9PR. 0121 359 7727.

Books can be posted to you, but there will be an extra charge for postage and packaging (P&P) depending on weight.

These books are about the performance of all Vedic Sanskars to teach the moral values of human being.

Practice of 16 Vedic Sacraments

(In English Language by Dr Narendra Kumar)

£5.00

Vedic Sanskar Vidhi Book

(In Hindi Language by Acharya Dr Umesh Yadav)

£5.00

A Brief Introduction of Arya Samaj

(In English Language by Dr Narendra Kumar)

Free

Services Provided

**Please contact Acharya Dr Umeh Yadav on
0121 359 7727
for more information on**

**(Follow government guideline for Coivd-19 we can still provide
the following services)**

- **Weddings and Funerals. Please contract us for more information.**
- **Member or non member wishing to be sponsor Yajman in the Sunday congregation at Arya Samaj. Please call us for the rules you will have to follow if having at our Bhavan or you can do via zoom and invite family and friends to watch from the confort of their homes.**

Weekly services Zoom details (please share with family & friends) –

Wednesday Sanskrit Learning

Time: 08:00pm London

Every week from Wednesday 6th Januar y 2021, until June 30th 2021. New ID will be sent out in July 2021

Join Zoom Meeting

<https://zoom.us/j/95821611457?pwd=WUsxbEdVbWtMUUh3ODdhRHg2MGN1Zz09>

Meeting ID: 958 2161 1457

Passcode: Vedic 1

Thursday Yoga Class

Time: 07:00pm London

Every week from Thursday 7th January 2021, until June 24th, 2021. New ID will be sent out in July 2021

Join Zoom Meeting

<https://zoom.us/j/94869943905?pwd=Mk5kdkljRjg3T2JXdVZ2NUxkTTNvUT09>

Meeting ID: 948 6994 3905

Passcode: Vedic1

Sunday Havan and Satsang

Time: 11:00am London

Every week from Sunday 3rd January 2021, until June 27th, 2021. New ID will be sent out in July 2021

Join Zoom Meeting

<https://zoom.us/j/99249158415?pwd=bGI4eW1OTVFwc3dMUGxUZVRLcm9kdz09>

Meeting ID: 992 4915 8415

Passcode: Vedic1

If you would like the zoom links sent to your mobile or email please email us on enquiries@arya-samaj.org. We will need your email address or mobile number and we can add you to the list.

Every effort has been taken that information given is correct and complete. But if any mistake is spotted please inform the office.

0121 359 7727

Page 22

A Very Happy New Year



Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands would like to wish you all a Very Happy New Year.

We wish 2021 brings joy, peace, good health, prosperity & happiness to you & your family....

We hope that with the help of the current vaccine program against coronavirus the New Year will get our lives and activities of our Arya Samaj back to normal.

STAY SAFE, STAY WELL, BE KIND & KEEP YOUR DISTANCE!

